पंजाब केसरी

17th July,2015

नई किताबें

आम आदमी के रहन-सहन और खान-पान में समय के साथ काफी बदलाव आए हैं। नतीजतन विज्ञान ने न सिर्फ तकनीकी रूप में बल्कि हमारे शरीर पर भी अपना अधिकार जमा लिया है। खानपान के अलावा मौसम में बदलाव और उसका समुचित सामाना नहीं करने से कई पश्चिमी वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील देशों की बड़ी भूमिका है। यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत, चीन और ब्राज़ील की भूमिका लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में खासतौर से तेज़ी से बदलते वैश्विक समीकरणों की गहन पड़ताल करने के बाद पाया गया है कि विकासशील देश तेज़ी से नई शक्ति बनकर उभर रहे हैं। इस पुस्तक में मिलेनियम डेवलपमेंट गोल का जिक्र किया गया है जिसकी शुरूआत 2000 में हुई थी और 2015 में पूरा होना था। पुस्तक के अनुसार उभरती आर्थिक शक्तियों में ज्यादा गतिविधियां व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में साझेदारी में बढ़ोतरी हो रही हैं जिसकी वजह से विकास कार्यों में तेजी आई है। दक्षिण गुट के देशों में नए-नए सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को निर्धारित किया जा रहा है जिससे ये देश वैश्विक स्तर पर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इन देशों की बढ़ती भूमिका से मानव विकास सूचकांक में अपेक्षाकृत सुधार देखा गया है। पुस्तक को छह भागों में बांटा गया है। पहले भाग में मानव विकास के महत्वपूर्ण बिंदु, दूसरे भाग में गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा, तीसरे भाग में फूड सिक्योरिटी और कुपोषण को दूर करना, चौथे भाग में रोजगार के पर्याप्त अवसर, पांचवें भाग में शिक्षा के क्षेत्र में अवसर और छठे भाग में स्वास्थ्य एवं देखभाल जैसे विविध विषयों पर सारगर्भित लेखों को जगह दी गई है। कुल मिलाकर यह पुस्तक दक्षेस राष्ट्रों के विकासपरक नीतियों एवं उसके मानव जीवन पर प्रभाव को रेखांकित करता है।

पुस्तक : ह्यूमन डेवलपमेंट इन द ग्लोबल साउथ, **संपादक** : तानुकी इंडो, सुमित मजूमदार, मीतू सेनगुप्ता, **पृष्ठ** : 410, **मूल्य** : 1500 रुपए मात्र, आईएचडी एवं मानक पब्लिकेशन, दिल्ली।